By: Dr. SHYAM BIHARI CHOUDHARY
SC-101, SEM-1

अरिहन्त

Date: 30.06.21

3. [redacted] जैन दर्शन — TOPIC.

जैन दर्शन वेदों को प्रमाण न मानने वाला एक भारतीय दर्शन है, जो अपने नैतिक आचरण में अहिंसा, त्याग, तपस्या आदि को प्रमुख मानता है। जैन शब्द जिन से बना है जिसका अर्थ है, वह पुरुष जिसने समस्त मानवीय वासनाओं पर विजय प्राप्त कर ली है। अर्हत अथवा तीर्थंकर इसी प्रकार के व्यक्ति थे। जैन मानते थे कि उनका धर्म अनादि और सनातन है, किन्तु काल से सीमित है अतः यह विकास तिरोभाव क्रम से दो चक्रों - उत्सर्पिणी और अवसर्पिणी में विभक्त है।

[redacted] - शिक्षा के लक्ष्य और उद्देश्य

प्रो० मैक्समूलर के शब्दों में, "भारत में दर्शन ज्ञान के लिए नहीं, बल्कि उस सर्वोच्च लक्ष्य के लिए था, जिसके लिए मनुष्य इस जीवन में चेष्टा कर सकता है।" भारतीय दर्शन में शिक्षा का अर्थ जीवन का दिव्य रूपान्तर और सांसारिक दुःखों से मुक्ति पाना है। चार्वाक के अतिरिक्त सभी भारतीय दर्शन, मोक्ष को ही जीवन का लक्ष्य मानते हैं। जैन दर्शन भी इसका अपवाद नहीं है। इन्होंने भी "मुक्ति उद्देश्य" शिक्षा का सर्वोच्च उद्देश्य माना है। कर्म के प्रवेश को रोकने के लिए निम्न उपाय बताए हैं:- 1. समितियां, 2. गुप्तियां, 3. व्रत, 4. धर्म, 5. अनुप्रेक्षाएं, 6. परीषह, 7. चरित्र। जैन शिक्षा का उद्देश्य व्यक्तित्व का इस प्रकार विकास समुचित वि- करना भी है, जिससे सम्यक ज्ञान की प्रतीति हो।

[redacted] :-

(12) बारह

जैन दर्शन के अनुसार श्रमण के लिए बारह 'अनुप्रेक्षाओं' या भावनाओं से युक्त रहना आवश्यक है। ये निम्न हैं:- अनित्य, अशरण, संसार, एकत्व, अन्यत्व, अशुचि, आस्रव, संवर, निर्जरा, बोधिदुर्लभ, लोक, धर्मानुप्रेक्षा। जैन दर्शन में छात्र की ग्रहणशीलता पर अत्यधिक बल दिया गया है। जैन दर्शन में छात्र से गुरु के प्रति समर्पण की अपेक्षा रखी गई है। उसका विनीत व गम्भीर होना आवश्यक है।

छात्र के लक्षण – छात्र के लक्षण

उत्तराध्ययन सूत्र में छात्र के [illegible]
ए है :

1. गुरुजनों से विनम्रता से वार्तालाप करता हो
2. उनसे नीचे आसन पर बैठता हो व चपल न हो
3. गुरुजनों के सदा दोष ही न देखता हो
4. गुरुजनों का अपमान न करता हो
5. ज्ञान को प्राप्त करके गर्वोन्मत न हो जाता हो।
6. निष्कपट भाव से वर्ताव करता हो
7. [illegible]
   निरर्थक विवाद करता हो
8. मित्रों पर क्रोध न करता हो
9. कलहोत्पादक बातें न करता हो।